परिवार एवं सम्बन्धित पहलुओं पर शिक्षा के प्रभाव (अलवर–मेवात क्षेत्र का एक भौगोलिक अध्ययन)

डॉ. साहस यादव, सहायक आचार्य, भूगोल, सिद्धि विनायक कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड हायर एजुकेशन, अलवर (राज.)

शोध–सार

राजस्थान राज्य के अलवर–मेवात क्षेत्र के गाँव चाँदोली, भण्डवाड़ा एवं टोडियार के 200 परिवारों का साक्षात्कार, प्रत्यक्ष अवलोकन एवं अनुसूची के माध्यम से अध्ययन किया गया। प्राप्त सूचनाओं/आँकड़ों का विश्लेषण करने पर कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य प्राप्त हुए जो अग्रांकित हैं।

परिवार एवं उससे जुड़े अनेक पहलुओं पर शिक्षा का व्यापक प्रभाव पड़ता है। परिवार की इकाई है– व्यक्ति। परिवार के एक–एक सदस्य के विकास से परिवार का विकास होता है। अध्ययन में पाया गया कि– शिक्षा से व्यक्ति की योग्यता एवं क्षमताओं में अभिवृद्धि होती है जिससे उसमें आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान की भावना में वृद्धि होती है। शिक्षा से व्यक्ति में संवाद कौशल बढ़ता है, दृष्टिकोण में व्यापकता आती है, लोकतांत्रिक मूल्यों में वृद्धि होती है, चेतना स्तर बढ़ता है, जिम्मेदारी वहन करने की क्षमता में विकास होता है, अधिकारों के प्रति सचेष्टता बढ़ती है। इस प्रकार व्यक्ति की योग्यताओं एवं क्षमताओं के विकास के लिए शिक्षा एक व्यापक मंच प्रदान करती है। व्यक्ति द्वारा अर्पित ये योग्यताएँ–क्षमताएँ उसके परिवार के विकास का आधार बनती हैं।

परिवार का एक शिक्षित व्यक्ति परिवार के अन्य सदस्यों के लिए शैक्षिक प्रेरणा प्रदान करता है। शिक्षित परिवार के बच्चों का शैक्षिक प्रदर्शन एवं अधिगम क्षमता अशिक्षित परिवारों के बच्चों से बेहतर होती है। शिक्षा के प्रभाव से परिवारों में सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना में वृद्धि होती है, वैचारिक चिंतन स्तर में सुधार होता है। शिक्षित परिवारों में व्यावसायिक कुशलता का स्तर उच्च पाया गया, स्वास्थ्य एवं धनार्जन के प्रति अधिक सजगता पाई गई। शिक्षित परिवारों के पास आय के अधिक स्रोत्र होने से उनकी वार्षिक आय अशिक्षित परिवारों की तुलना में 2 गुणा से लेकर 8 गुणा तक अधिक पाई गई। शिक्षा से परिवारों में अंधविश्वासों में कमी आई है। शिक्षा के कारण निजता की भावना प्रबल होने से क्षेत्र में संयुक्त परिवार विघटित होकर एकल परिवार में बदल रहे हैं। अध्ययन क्षेत्र में 72 प्रतिशत एकल परिवार पाए गए। शिक्षा के प्रभाव से परम्पराएँ टूट रही हैं। बुजुर्गों का सम्मान कम हो रहा है।

पारिवारिक निर्णयों में महिलाओं की भूमिका बढ़ रही है। विवाह सम्बन्धी निर्णय में परिवार के बुजुर्गों की अपेक्षा स्वयं लड़के/लड़की के निर्णय अधिक महत्त्वपूर्ण हो गए हैं। शिक्षित जोड़ों में विवाह–विच्छेद की समस्या एक बड़ी समस्या का रूप धारण करती जा रही है। शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण के अत्यधिक सशक्त साधन के रूप में काम करती है।

मुख्य शब्दः अनुसूची, साक्षात्कार, प्रत्यक्ष अवलोकन, व्यक्तिगत योग्यताएं, अधिगम क्षमता, व्यावसायिक कौशल, संयुक्त परिवार, एकल परिवार, वार्षिक आय, विवाह–विच्छेद, जनसंख्या नियंत्रण।